





अ। विन्शी नार्थि नार्थि सुव स्विन्धा

र्चन् कुयार्थे। ११५१

मुःसा २०२६ ह्या ८

श्चिति तर्देव से हिल्ला ६०



र्वेन् ग्री मार्थे नः सेना प्रति ख़ूद्र रहें ना था यह राकेन् सेन था श्री या था नहीं ना था नहीं नहीं नहीं ना था नहीं नहीं ना था नहीं ना था नहीं



होस्यायकरार्च्याक्क्यायन्तु व्यापायन्तु स्वीत्यायन्त्र ह्यायायन्त्र ह्यायम् ह्याय



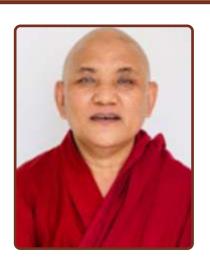
८गार क्य

ळॅगशमार्डेंदेख्ँवसीरा

| | | |
|-----|--|---|
| 91 | र्वेद्-ग्रीःवार्शे नःरेवा प्रदे ख़ूद्र स्वां भाद्य नहें भादे से विष्य दे हैं या में विष्य निर्दे निर्दे | |
| | 5व-श्व-प्रको ···· | 3 |
| 3 | कि.चीर.चेर.तर.शरदाधिता.चीजू.सूच.सैच.सीचीजा.टीर.टी.विता.की.कू.सैच.सूर.की.च्य. | |
| | <u> </u> | 3 |
| 31 | र्वेद्-ग्रीःमार्श्वेर-प्रेमा-प्रदेश्वेद्व-र्स्वमाश्चिम् शास्त्र-र्स्वमाश्चिम् शास्त्र-र्स्वमाशास्त्र-रस्वमाश्त्र-रस्वमाशास्त्र-रस्वमाशास्त्र-रस्वमाशास्त्र-रस्वमाश्य-रस् | ~ |
| ~ | कु ग्न-पातु र में अंत प्र क्षेत्र ह् अ विंत प्र क्षेत्र प्र क्षेत्र प्र Drugs & Cosmetic Act, 1940 रे | |
| | विस्रयायकर विर्याम् विर्याम् विर्याम् विस्याम् विस्यान्य विष्यान्य विस्यान्य विष्यान्य विस्यान्य विष्यान्य विष्य विष्य विष्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य व | |
| | र्केन्य यन्त्र | ~ |
| 4 | श्चन देव श्चेत त्व्या नविव सर्वे श्चिन हुन्य रा केन सिव हिन् विना | 4 |
| 61 | र्वेद्'ग्री'नार्शे'न'रेना'नदे'ख़ूद'र्सेनार्थ'ग्री'नाय'स्टेदे'यशर्देद'हे'नुश्'ग्री'र्वे'सुश्'र्सेनार्थ' | |
| | नश्चेन्यरन्वेन्न्तुःवर्वेन्न्न्द्रःह्यून्ट्वंन्ययःवन्नुन्द्यून्ट्वंन्ययः | 6 |
| اله | ন্ব্ৰ স্কুন স্থুব্ | 6 |
| 5] | त्रम्भः हे के त् | 4 |
| e | दर्श्वर.पश्चर वाषा.पकर | 4 |
| | | |

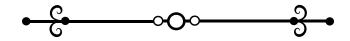
| वाह्यसःवर्धेसःवर्धेसःहोत्यः | ······································ |
|--|--|
| ग्य-प्रदेव-पर्देव-द्वेव-द्वेव्य | वर्षेत्र्याः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्र |
| र्श्वेन र्श्वेन पा | ·····ध्रुवःळेंग्रच्याः क्रेंच्यायः नार्डे। श्रुवः द्वोः दर्वेदः से हे हे द्वाः दर्वा |
| र्डे अर्धुग्य | केन्यमा सुन्य सुन् |
| র্ম্বান্ত্রন্'ৰ্ভুনানা | ळेट्-त्यशः श्चुन्-तम्बन्-तम्बुन्-तम्बन्-तम् |
| ्रेनःग्राह्मण्यःनर्गेदः <u>श्चे</u> याःद्रस्यसःश्चुदःयाः | Imperial Printing Press, Dharamshala |

क्रियाशयार्डे दे र्श्व स्थाना



चैटाल्यी चैटाने क्षित्र स्वाप्त क्षित्र स्वाप्त क्षित्र स्वाप्त क्षित्र स्वाप्त स्वाप्

श्चैनात्यत्रभुर्वेन निर्मित्र स्थित्व स्थित्व स्थित्व स्थित स्थित



१। वेंद्राधीः मार्थे निर्मा सदीः सूत्र केंगाया द्वान महे या है। यो देवा में विषेत्र नदी दुया स्वान स्वान सही

ह्यें वें. ४०४८ ह्य. १ क्रेंश. ५ हेद चेंद ख़ी वार्श व सेवा परे मुदार्स्केषायान्त्रु नहें याद्यार्थार्थः १० हेयार्थाय्विर नदेः नु सः इतः नु रः स्रूपसः प्रसुदायदे । याः भ्रुदार्स्टिया सावसः विदः ग्रीः याः सि नःरेवा मदे श्रूद मण्टेर्य या दार्चेवा द्या प्रक्रंस्य पदे व्यूष



नुषाद्वरश्चरावद्वे न्दारद्वेषाद्वर्षावक्कृत्रनेवाश्चेषाञ्चराया लूट्याका विदेशवीश्वरात्ती यटार्ट्य यहूर विश्वेट वर्षे यो न ·भू: हः नृतुः शः वेन् ग्री: या द्वां या या श्रें वः या हे रः विनः यी : श्रेवः नृवीः



न्वेंब्रस्ट्रेंह्र्न्यायन्त्रायळेंवायावान्यानन्त्राव्य रे नभ्भवात् भाषायात्रेत्राचानुसायन्य चात्रदार्येन्। दे हे साञ्चन सम्बस्यायान्वान्यान्वितः निर्देश्यान्ये । निर्देश्यान्ये । नःसुत्यःक्रेंनाःमदेःनें भ्रम्भान्यःस्त्यःपेंद्र। हेनःसें देःदरःनसूनः वदै-वा-द्वश-वॅद-श्रेव-श्रुवा-वह्वग्रश-ग्री-वर्द्ध्-वन्श्रेव-व्यश विरमःग्रीःजमःग्रीन्रायरम्भ स्, वियः यस्यायः र्टरः स्यायः विषः भूयोः पर्वयः परः ৰুমার্মিনা

श कु मार ग्रह्म भर सदय विया मार्के देना श्रुव ख़नाक दहा दे विया ग्री के श्रुव श्रूर ग्री जन श्रुह्म



र्वेद्राग्ची मार्थे प्राप्त देवा परि होता के मार्थे के मार्थ के मार्थे के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्य के मार्थ के मार्य के म



`र्चन'र्चेट्-ग्री:नार्के'न'रेन|'रादे'श्रुद्र'र्क्चेन|अ'ग्री:केट्-'यश'श्रुद्र'रा' नर-'य'दृन|अ'क्कुय'र्षेट्-अ'नार्के'न'रेन|'रादे'कार्डे-श्लेंन'ग्रीअ'

ख्यायान्त्रः म्हान्यान्त्रः श्रीतः स्वान्त्रः स्वान्तः स्वान्त्रः स्वान्तः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्तः स्

तुःस्रक्षःचतुन् स्ट्रिन् सः श्रेः श्चेन निते देने स्ट्रिन् स्ट्रिन्स्य

त्र वृद्धिःवार्श्वान्तर्भवान्तराष्ट्रवार्ष्कवार्ष्कवार्षात्राचेत्रयः ३६ मानक्र्याराष्ट्रवारात्वराम्

मीहेश द ह्या क्या श्वा स्वर्म स्वरम्भ स्वरम स



ष्टिनःरूचा.की.वोर्न्याचीट्रत्वी.श्रॅंच.टेट्-श्रॅंच.इका.कूच्यचीट्रेट्.की. श्रेचकार्ट्या.की.वोर्न्याचीट्रत्वी.श्रॅंच.टेट्-श्रॅंच्ड्च्याचरःचेका.च्यूट्र



व्रिस्तर्क्षत् वर्षः वर

শ ক্রু'বাম'বার্ব্তম'ব্রিম্বর'ম্প্রর'ম্পর্কর ক্রের্ন্র ক্রিম্বর্গনের প্রত্যানী ব্রম্পুর্ম কর্মির ক্রির্ন্তর প্রতিক্র কর্মানির ক্রির্ন্তর ক্রিম্বর্গনির ক্রির্ন্তর ক্রিম্বর্গনির ক্রিন্তর ক্রিম্বর্গনির ক্রিন্তর ক্রিম্বর্গনির ক্রিন্তর ক্রিম্বর্গনির ক্রিন্তর ক্রিম্বর্গনির ক্রেম্বর্গনির ক্রিম্বর্গনির ক্রেম্বর্গনির ক্রিম্বর্গনির ক্রেম্বর্গনির ক্রেম্বর ক্রেম্বর্গনির ক্রেম্বর্গনির ক্রেম্বর ক্রে

योशयानश्चित्रश्चर्यान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थानश्चर्याः स्थान्त्रस्य स्थान्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्य स्थान्त्रस्य स्यान्त्यस्य स्यान्यस्य स्थान्त्रस्य स्यान्त्रस्य स्यान्त्रस्य स्यान्त्रस्य स्यान्त्रस्य स्यान्त्रस

र्ळेचार्याय हैं त्रिया म्हार्याय हैं त्रिया स्वार्य हैं त्रिया स्वर्याय स्वर्याय



त्रीय-प्रतिक्ष्यक्ष्य वर्ष्य स्थित्याय प्रतिवर्ण स्थित स्थि



च्यायायः विना निः र्वेद चेन् ने खू त्या विन् क्षे स्व क्षेत्र क्षेत्र

५ अत्रदेशेत्रीटावनुयानविदेश्वर्श्वितातुर्धेत् कुण्याकेत् विदेशिक्षावित्





स्त्राक्ष्याः स्वाप्त्राक्ष्याः स्वाप्त्र स्त्राच्याः स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स् स्त्र स



विनाःग्रम् अक्षः विनाशः निवासः स्वास्त्रं स्वास्त्रं स्वासः स्वत

क्र्याश्राचित्रं वित्राचित्रं क्षेत्रं क्



र्निन्द्र-द्रम्भः न्य्येन् अत्याद्रम् वित्र-प्यक्षणः विद्रम् वित्र-द्रम् वित्र-द्रम्य-द्रम् वित्र-द्रम् वित्र-द्रम् वित्र-द्रम् वित्र-द्रम् वित्र-द्र

न। चोष्याः क्षेताः श्रीटः चर्नेया

ग्रे श्रवःमन्त्रःश्चेत्य

र्वेद्रंग्चैःवार्केःवःदेवाःवदेःश्च्रवःर्केवायःवयःयाहवःदवेवयः वावदःवदेःवार्केःवःदेवाःवदेःश्चवःयःवयःयःग्चेदःवेदःश्चेतःश्चेतःश्चेतः र्वेवायःग्चेःसःदेवःश्चेवाःवविदेःदर्वेदयःर्वेदःश्चेःवे ४०४० स्यान्न १ क्रेंश १ दश्र हीं न्वेता। यम क्रिंत नर्से स्थान स्यान स्थान स

षि रे श्वर्याश्वर्त्तान्त्रेत्रः इतः हेतः त्र्रेतः श्वर्तः श्वर्तः श्वर्तः श्वर्तः श्वर्तः श्वर्तः श्वर्तः श्वर

বিদ:বৃ:ধ্রুবাঝ:বর্ষ্ট্রবা

ग ने भू ह गर्वे देवा के रूद र र देवा वा न के रिंग

द्वै. व्यं. २०२ व्ह्व. त्र क्रंस. ११ हेत. ख्वं क्रं क्रं क्रं क्रंस. व्यं क्रं क्रंस. व्यं क्रंस. व्य

८ रे लेट क्रिंद्रियावश क्रिया



|र्वेर्-श्चे:वार्थे:व:देवा:धवे:धूव:ळॅवाय:श्चे:देव:क्<u>र</u>ोव: श्चर-र-र-१७'८। श्वर् रेप्ट्रिक्ट के विकास मान्य विकास के <u>नबर अनुषाङ्गार्वेना र्वसाद्यसम्बद्धानि निलेश हे रस्त</u>ि । अ सुनार्स्टर ४:५५ र्चेनाः सुर्रेदेरव्येतः सर्हेन्य रायदेः धीरः सुदिः नाद्रशः रहे वः र्वेशः सरः द्वें स्वशः दर्। वदे ना र्वेदः ग्रीः ना वेंदः री ना सदे:ब्रेब-क्रुवायावया:श्च:स्व-गुयायर्-र-, द्यायाविर-ग्री: वटःशुः व्रिमः कटः लूटमः ना सीमा भाषा विष्टः भैजायबराजवायायुन्त्र्र्यास्त्रुन्त्र्राच्याद्वीत्रुन्त्र्र्ययायुन्त्र्या नित्। कुरानु रायार्ने श्चनायान्य स्थिता यूनायमा स्था द्ये:वॅर १६६२ वॅर-कु:वार-वःनडन:र्बेवःन्:वेनश द्ये:वॅर १६६२ वॅर-वर्के बद-वॅर्-के क्षेत्र के पानर र्-ने गरन र यदः र्स्स्वानाकेरः नदे विदशादह्या व्याकानावदः। श्रे वि १००३ वॅन:क्षुत्र:म:न्ग्रातःन्त्रु:सतेःक्ष्य्न:सम्स्कृता स्रु:वॅर २०१३ ह्न. ८ छेंग. १ हेदादयाञ्चदारसमानाकुरानदेः सळ्य. योष्या. ही. जू. ४०० ४ वस. ट. यम. हिंच. ही. जू. इंस.ची:रेट.र.भी:पा:सु:रे.प्यू:५:क्टॅशळॅवाया:ची:सूद:५वो:५८: यःवडरू:ग्री:वार्के:व:देवा:यदे:वसूद:य:श्रे:व:ववरू:वदेवारू: য়ৢৢৢৢয়য়৽য়৾৽ড়৾৻ড়ৢয়৽ড়৾৾ৼৢয়৽য়ৠৢয়৽য়ড়৾ৼয়ৼ৾ৼ৽ৼৄয়৽ <u>হর মন্ত্র শ্লুর অ নর্ফু শ্লুর পূলা অ হলা হে নে হন্যা</u>

उ रे धेर क्रेंद्रियात्र शक्त्या



तर्भात्मवाभावे के वार्यां स्वराध्यां स्वराध्यां में स्वराध्या स्वराध्य स्वराध्या स्वराध्य स्वराध्या स्वराध्य स्व

स्तः स्वाराध्यान्यस्त्रस्तः स्वार्धः स्वरः स्वर

रा श्रमशाहे के ला

- १ रे श्रवःसःस्याक्तिःस्वरःस्वरःस्वरायायायात्रसःदेवःश्रेम् १५००१००
- ३ रे श्रुवःयः नध्रुवः यहेवः श्रुः श्रुवः यान्याव्यः वयः नेवः श्रुवः। ५००।००
- < } श्चन्यानश्चन प्रहेत्राच्यायायायायायायायात्र स्थित्। ११६५०।००</p>
- ५ रे श्रुवःमः नश्रुवः यहें वः अर्गेवः में त्यायाया वया हेवः श्रेनः ११५१०००
- ८ रे श्रुवःमः के नेरः अर्के संभाषाम्यावयान्वेवः श्रीम् ३५५०।००

६। वर्चेर.वर्चीर.वर्भ.वक्रर

- * ही.जू. ४०४८ 🖺. ६ क्र्म. ८ ४४. ६ ध्रेय.वाशित्र.हट.क्रिय.क्र्याय.क्र्याय.हट्याय.ह्याय.हट्याय.क्र्याय.ह्याय.वटर.क्री
- * द्ये:र्वे: ४०४८ ह्यः ६ ळेथा ११ हेदान्येर्यानानेत्रानानेत्रेत्राक्ष्यानानेत्रेत्



CENTRAL COUNCIL OF TIBETAN MEDICINE

Tibetan Lunar Year 2151

Vol. 40

June, 2024

CONTENT

Chairman's Message

| 1. | Celebration of 20th Anniversary of Central Council of Tibetan Medicine | 2 |
|----|---|---|
| 2. | Region Workshop on Sowa-Rigpa and Medicinal Plants of North East | 2 |
| 3. | The 39 th Board Meeting of the Central Council of Tibetan Medicine | 2 |
| 4. | Meeting on Drugs & Cosmetic Act, 1940 | 2 |
| 5. | Final Exam Invigilation at Menri Ling Bumzhi College | 3 |
| 6. | Book Launch and Introductory Meeting on Central Council of Tibetan Medicine | 3 |
| 7 | | |
| 7. | News in Brief | 3 |
| 8. | Thank You Note. | 5 |
| 9. | Upcoming Events | 5 |

Editors – Chairman Dr. Dorjee Damdul, Professional Doctor Thupten Kunphel Dr. Sonam Dolkar Oshoe

Published by: Central Council of Tibetan Medicine

CHAIRPERSON'S MESSAGE

The Central Council of Tibetan Medicine (CCTM) was established 20 years ago, following its approval by the Tibetan Parliament-in-Exile and subsequent authorization by His Holiness the Dalai Lama. Over the years, the successive executive members, of the council has achieved many direct and indirect accomplishments, including the advancement of medical knowledge, improved coordination between individual doctors and medical organizations, and the establishment and enforcement of regulations.

Currently, 648 doctors from 22 countries have registered with the council. Additionally, many Tibetan medical educational institutions, public and private pharmaceutical companies, and friends of Tibetan Medicine have also registered, contributing to the council's substantial development.

With the establishment of the National Commission for Indian System of Medicine (NCISM) in India, overseeing legal procedures for medical professionals, admission systems, curriculum setting, research and registration of educational institutions and doctors, and regulation of medicinal substances and pharmaceutical standards, the CCTM must adapt its objectives, functions, and regulatory powers to these changes. In light of this, the Tibetan Parliament-in-Exile has formed a special committee to review the council's operations and regulations. With the hope of establishing a set of laws that align with the council's objectives and effectively promote the Tibetan medical system.

Finally, we pray for the widespread benefit of the Tibetan medical system for all beings without discrimination, and for the long life, flourishing activities and spontaneous fulfillment of all wishes of His Holiness the Dalai Lama, the supreme protector of all beings in this and future lives.

Dr. Dorjee Damdul

CCTM, Chairman

1. CELEBRATION OF 20TH ANNIVERSARY OF CENTRAL COUNCIL OF TIBETAN MEDICINE

On January 5, 2024 the Central Council of Tibetan Medicine (CCTM) celebrated its 20th anniversary. On this occasion, the Council extended online greetings to all registered Tibetan Medicine practitioners. Organized an online event featuring a talk by CIHTS, Varanasi, Medical Associate Professor Dr. Dorjee Damdul on the topic "Summary of Three Tantras". Following the talk, doctors were given the opportunity to ask questions related to the presentation.

The Department of Health of the Central Tibetan Administration also marked the occasion by announcing the Council's Founding Day to its staff members and providing refreshments. This event marks an important milestone in the history of the Central Council of Tibetan Medicine, representing two decades of effort in preserving and promoting Tibetan Medicine.

2. REGIONAL WORKSHOP ON SOWA-RIGPA AND MEDICINAL PLANTS OF NORTH EAST

From February 1st to 3rd, 2024, Dr. Thupten Kunphel, the professional staff member of CCTM, represented the council at a seminar on "Regional Workshop on Sowa-Rigpa and Medicinal Plants of North East" organized by National Institute of Sowa-Rigpa Leh, at Dirang Thubsung DhargyeLing Monastery in Tawang. He also delivered a talk on the Rules & Regulations of Central Council of Tibetan Medicine.

3. THE 39TH BOARD MEETING OF THE CENTRAL COUNCIL OF TIBETAN MEDICINE

As per the rules and regulations of Central Council of Tibetan Medicine (CCTM), the 39th

Board Meeting of CCTM was held from March 4th to 8th, 2024 at Hotel Tibet, Mcleod Ganj. Seven members attended the meeting physically and two attended it remotely.

During the meeting, it was decided to collect opinions from Sowa-Rigpa Colleges concerning the inclusion of Sowa-Rigpa pharmaceutical in AYUSH's Drugs & Cosmetic Act, 1940 Bill, as featured in the gazette notification. On this regard, an important meeting was scheduled to be held on later date. At that time, a thorough discussion pertaining to the financial issues and budget preparation of CCTM was undertaken and it was unanimously decided to seek financial support and set financial development projects. The meeting was successfully concluded with 14 resolutions on the 5th of March, 2023.

4. MEETING ON DRUGS & COSMETIC ACT, 1940

On April 5, 2024, the Central Council of Tibetan Medicine (CCTM) convened a meeting at Hotel Tibet in Dharamsala to discuss and gather opinions on the Indian government's recent gazette notification regarding the inclusion of Sowa-Rigpa pharmaceutical in the Drugs and Cosmetics Act, 1940 draft.

The meeting was attended by several prominent figures in Tibetan Medicine, including:

- 1. Dr. Tsering Thakchoe Drungtso, Chairman of CCTM
- 2. Dr. Dorjee Damdul, Vice Chairman of CCTM
- 3. Dr. Tsewang Tamdin, Personal Physician to His Holiness the Dalai Lama
- 4. Dr. Tsering Norbu, Cultural Director of Men-Tsee-Khang
- 5. Dr. Thrinley Palsang, Director of Chagpori Tibetan Medical Institute
- 6. Dr. Jampa Khedup, Principal of Chagpori Tibetan Medical Institute
- 7. Dr. Kyilu, Director of Palpung University

Pharmacy

- 8. Dr. Pema Tsering, Director of MenriLing Bumzhi College Pharmacy
- Dr. Penpa Tsering, Personal Physician to His Holiness and Director of Kunde Khangsar Pharmacy
- 10. Tenzin, Director of Tibet and Himalayan Herbal Company

Additionally, Dr. Dorje Rabten, Principal of Bangalore University, and Dr. Padma Gyurmed, Director of the National Institute of Sowa-Rigpa in Ladakh, participated in the meeting via online. During the meeting, there was an extensive discussion, and it was decided to submit additional pharmacopoeia books to the AYUSH Department of the Indian government.

5. FINAL EXAM INVIGILATION AT MENRILING BUMZHI COLLEGE

On May 20, 2024, in accordance with the guidelines of the Central Council of Tibetan Medicine (CCTM), the Professional staff member, Dr. Thupten Kunphel visited Sorig Bumzhi MenrinLing, College to observe and invigilate the final Kachupa graduation examinations.

This year, there were two students appearing for the exams at Sorig Bumzhi College. The comprehensive graduation examination consisted of a total of fourteen tests: twelve written exams, one oral exam, and one practical exam. In connection with the observation, the visiting doctors also met with the relevant staff of the college.

6. BOOK LAUNCH AND INTRODUCTORY MEETING ON CENTRAL COUNCIL OF TIBETAN MEDICINE

On June 10, 2024, a book launch and introductory meeting of the Central Council of Tibetan Medicine (CCTM) was held at Hotel Tibet in Dharamsala. The event featured the unveiling of a book on the history of CCTM and an introductory conference. The chief guest at the event was the Honorable Sikyong (Political Leader) of the Central Tibetan Administration, Mr. Penpa Tsering. The Honorable Secretary of the Department of Health, CTA, Mr. Dawa Tsultrim, was also present. Many registered doctors from different places were present too.

During the meeting, the Chairman of the CCTM, Dr. Tsering Thakchoe Drungtso, introduced the council and presented the book. On the occasion, the Honorable Sikyong urged the physicians to engage in open discussions during the subsequent meeting. He encouraged the council to consider and list important agendas and crucial issues regarding the status of Sowa-Rigpa and CCTM. He suggested that within a specific timeframe, they could arrange a visit to the Indian AYUSH office, accompanied by the Honorable Sikyong and the Health Secretary.

Furthermore, he emphasized on the importance of conducting a thorough investigation based on the statistical data from the Council and institutions like the Men-Tsee-Khang regarding the overall actual situation of the Council in the context of NDI capacity building.

7. NEWS IN BRIEF

a. Registration Update for Tibetan Medical Practitioners

From 1st January to 30th June, 2024, a total of forty three Tibetan Medical Practitioners have

successfully registered under the Central Council of Tibetan Medicine (CCTM). This brings the cumulative number of registered Tibetan Medical Practitioners under the CCTM to a total of 648.

b. Inspection to Chagpori Medical College.

On 15th March 2024, the professional staff member of Central Council of Tibetan Medicine, Dr. Thupten Kunphel attended a meeting at the Chakpori Institute to collect opinions and objections against the Indian government's gazette notification on Pharmacopoeia Ordinance (Drugs and Cosmetics Act, 1940). During the meeting a special committee was also formed consisting of Miss Lobsang Dolker, the accountant of (Tibetan Settlement Office, Darjeeling), Dr. Tenzin Londen, a registered doctor residing in Darjeeling and Dr. Thupten Kunphel of CCTM, who conducted the official CCTM inspection of the Institute.

c. Official Visit to Central Institute of Higher Tibetan Studies

On 18th March, 2024 the professional staff member Central Council of Tibetan Medicine, dr. Thupten Kunphel visited the Sowa-Rigpa Department at the Central Institute of Higher Tibetan Studies, Varanasi to collect opinions and objections against the Indian government's gazette notification on the Pharmacopoeia Ordinance (Drugs and Cosmetics Act, 1940) and inspected the department too. During the visitation, construction of a new medical building, classrooms, Pharmaceutical department, medical library, outpatient clinic and the office were also inspected.

d. Obituary

The Central Council of Tibetan Medicine (CCTM) regretfully announces the passing of Dr. Achonk Kalsang, a registered physician of CCTM and medical teacher at the Buddhist community in Buryatia, Russia. Dr. Achonk Kalsang was ill for about a month and passed away at 2:55 PM local time on May 15, 2024, in a Buryatian hospital in Russia. The CCTM

expresses its deepest condolences and offers prayers for the deceased and sympathy to his family and relatives.

Dr. Achonk Kalsang was born near Jakhyung in Amdo, Tibet. After attending local schools in Amdo during his childhood, he fled to India as a refugee in 1992. In 1997, he was enrolled as a Kachupa student at the Men-Tsee-Khang (Tibetan Medical and Astro Institute) in India. He completed his studies as a Kachupa physician in 2003. On April 1, 2013, he obtained the title of Menrampa Chungwa. From 2003 until his passing, for about 21 years, he served as both a medical teacher and physician at the Buddhist community in Buryatia, Russia. Since 2021, he had also been working as the Russian coordinator for the CCTM. Dr. Anchok Kalsang's legacy will endure through his significant contributions to Tibetan Medicine, education, and his unwavering dedication to the advancement of Sowa-Rigpa. May his Soul Rest in Peace.

e. Obituary

The Central Council of Tibetan Medicine (CCTM) regretfully announces the passing of Dr. Phuntsok Wangdu, a registered physician of CCTM, who passed away on the morning of May 28, 2024, after a prolonged illness. The CCTM expresses its deepest condolences and offers prayers for the deceased and sympathy to his family and relatives.

Dr. Phuntsok Wangdu was born in Tezu, in the northeastern region of India. He studied Sowa-Rigpa at the Chagpori Tibetan Medical Institute, completing his Kachupa degree in 1998. From 1999 to 2001, he worked at the Chagpori Tibetan Medical Institute. Afterwards, he served as a Sowa-Rigpa physician in Bulgaria, Europe. In 2008, he took on the role of a clinical doctor at the Tuting, Arunachal Pradesh branch clinic of Men-Tsee-Khang. In 2016, he worked as a diagnostic physician at the Tezu branch clinic. From 2021 until his passing away, he served as a clinical doctor at the Itanagar branch clinic of

Men-Tsee-Khang.

Dr. Phuntsok Wangdue's legacy will endure through his significant contributions to Tibetan Medicine, education, and his unwavering dedication to the advancement of Sowa-Rigpa. May his Soul Rest in Peace.

8. THANK YOU NOTE

The Central Council of Tibetan Medicine (CCTM) expresses heartfelt gratitude and sincere acknowledgment to the following registered doctors for their generous contributions to the Council:

1. Dr.Namgyal Phunrab donated sum of Rs.9,500/- for publication

- 2. Dr.Karma Dolma contributed a generous sum of Rs.10,000/-
- 3. Dr.Tenzin Lhadon generously donated a sum of Rs.500/-
- 4. Dr.Tenzin Dakpa generously donated a sum of Rs.12,850/-
- 5. Dr.Tenzin Gompo generously donated a sum of Rs.12,510/-
- 6. Dr.Tsering Tsomo generously donated a sum of Rs.3,550/-

9. UPCOMING EVENTS

- * Sowa-Rigpa Day Celebration in September 2024
- * 40th CCTM Board meeting in September 2024

Details of CCTM Bank Accounts:

Account Name: Central Council of Tibetan Medicine

 Account No.
 : 20590110016886

 IFSC Code
 : UCBA0002059

 MICR Code
 : 176028096

Address: UCO Bank, CTA, Dharamsala, Distt. Kangra, (H.P.) INDIA

| То | |
|----|--|
| | |
| | |
| | |
| | |

If undelivered, kindly return to :

Central Council of Tibetan Medicine

Dept. of Health Building, Gangchen Kyishong, Dharamsala-176215, Distt. Kangra, Himachal Pradesh, North India | Tele Fax: +91 1892 226462 / 8629006677 / 9816095637

 $Email: chethoe@yahoo.com \ / \ cctm2004@gmail.com$

Website: www.tibmedcouncil.org